अम्बे तू है जगदम्बे काली | By Satish Kumar Vaishnav |

अम्बे तू है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्पर वाली
तेरे ही गुण गावे भारती
ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती

तेरे भक्त जनों पर माता
भीड़ पड़ी है भारी
दानव दल पर टूट पड़ो माँ
करके सिंह सवारी
सौ-सौ सिंहों से बलशाली
है अष्ट भुजों वाली
दुष्टों को पल में संहारती
ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती

माँ-बेटे का है इस जग में
बड़ा ही निर्मल नाता
पुत कपूत सुने हैं पर ना
माता सुनी कुमाता
सब पर करुणा दर्शाने वाली
अमृत बरसाने वाली
दुखियों के दुखड़े निवारती
ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती

नहीं मांगते धन और दौलत
ना चाँदी ना सोना
हम तो मांगे माँ तेरे मन में
एक छोटा सा कोना
सबकी बिगड़ी बनाने वाली
संकट मिटाने वाली
तेरे ही गुण गावे भारती
ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती

अम्बे तू है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्पर वाली
तेरे ही गुण गावे भारती
ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ac%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%9c%e0%a4%97%e0%a4%a6%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ac%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-by-satish-kum/